



# आरत का दावत The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 192]

नई दिल्ली, नंगलबाज़, अक्टूबर 14, 1980/आश्विन 22, 1902

No. 192]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 14, 1980/ASVINA 22, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे इक थह अलग संख्या के रूप में राखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वित्त मंत्रालय  
(आधिकारिक विभाग)

आधिसूचना

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1980

सं ४० ५(५)-डिल्ली० एण्ड एम०/८०.—६ ५० प्रतिशत रुपये, १९९० (दसरा निर्मम) और ७ ५० प्रतिशत रुपये, २०१० (तीसरा निर्मम) के लिए २९ अक्टूबर १९८० से अधिदान नकदी में स्वीकार किये जाएं। नैमि ही यह विधिं होगा कि कुल अधिदान राशि अनुमानत ६०० करोड़ रुपयों (सातकिं) तक पहुँच जाए, है, वित्त मंत्रालय के लिए किन्तु किमी भी वर्षा में ३० अक्टूबर १९८० को कार्रवार भवान छोने से पूर्व, इन नियमों को नद कर दिया जाएगा। सरकार का ६०० बराह रुपया से आधिक शाला १० प्रतिशत तक के अधिदानों का रख लेने का अधिकार है।

२ लोक उत्तर्युक्त अधिनों को कुल अधिदान राशि ६६० रुपये के अधिक राशि के सरदर्श में आनुपातिक—आधार पर अधिदान अवधान किया जाएगा। यदि आधिकारिक आवठन किया जाता है तो आधिकारिक आवठन हो जाए यदि इस आधिक अधिदान का राशि लीटा जाएगा। इस प्रकार नैमि, राशि पर कोई व्याप्र अदा नहीं किया जाएगा।

३ रु १०० ०० प्रतिशत को दर पर आरे किया जाने वाला अर्दे १८ जुलाई १९९० का सम्मूल्य पर शात्रेय ८ ५० प्रा० रुपये, १९९० (हथारा निर्मम)

(१) जपर्म अदायगी की नारंख रुपये, १८ जुलाई १९९० का सम्मूल्य पर यासम अदा किये जाएगा।

(२) विगत मध्य अदिविन रुपये के प्रत्येक रु १०० ०० (सातकिं) का निर्मम मध्य रु १०० ०० होगा।

(३) व्याप्र—इस रुपये की व्याप्र दर २९ अक्टूबर १९८० से अर्थित ६ ५० प्रतिशत होती। २९ अक्टूबर १९८० से १७ जनवरी १९८१ (दोनों दिन मिलाकर) तक की अदायी का व्याप्र १८ जनवरी १९८१ को अदा किया जायगा और उसके बाद प्रत्येक छमही में १८ जुलाई और १८ जनवरी को व्याप्र ददा विदा किया जायगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याप्र दर न बढ़े तब तक यो अनुच्छेद ६ और ७ के उपर्योग के प्रवान अधिकार कर अनुच्छेद १९६१ के अन्वेषण कर लगेगा।

४ रु १०० ०० प्रतिशत को दर पर जारी किया जाने वाला अर्दे १२ नवं दसरा निर्मम मूल्य पर प्रत्येक ८ ५० प्रतिशत रुपये २०१० (तीसरा निर्मम)

(१) नैमि अदायगी की नारंख—रुपये १२ मई २०१० को सम्मूल्य पर व्याप्र अदा किया जाएगा।

(२) नैमि युलै—आधिकारिक रुपये के प्रत्येक रु १०० ०० (सातकिं) का निर्मम मूल्य रु १०० ०० होगा।

(३) व्याप्र—इस रुपये की व्याप्र दर २९ अक्टूबर १९८० से अर्थित ८ ५० प्रतिशत होती। २९ अक्टूबर १९८० से ११ नवंबर, १९८० (दोनों दिन मिलाकर) तक का अवधि का व्याप्र १२ नवंबर, १९८० को अदा किया जायगा और उसके बाद अदायी अदाये में १५ मई और १५ नवंबर का व्याप्र अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याप्र पर नीचे

दिये द्वारा अद्वेदन-पत्र के उल्लंघनों के प्रयोग प्राय-कर  
प्रतिनियतम्, 1961 के अनुसन्धान कर सकता।

### पूरक व्यवस्थाएँ

5. व्यापक अदा करने का स्थान-इन अद्वयों पर भारताय रक्षण बैंक के अहमदाबाद, वंगनुर, शहरी, कलकत्ता, हैदराबाद, जनपुर, कलपुर, मदाम, नागपुर, नवी दिल्ली और पटना में स्थित लोक अण कार्यालयों भाग्य में अमृ और यास्मीन् नथा मिक्रिम गजों का छोड़कर अन्यत किसी राजकांप या उग गजकांप में व्यापक अदा किया जाएगा।

6. व्याज अदा करने मनद (वार्षिक दिन अर्धितद्यों द्वारा निर्वाचित दरों पर) कार्ड गों कर दी वास्तव अदायगी उन अण-शास्त्रकों का प्राप्त होगी जो फार्म-पात्र नहीं हैं या जिन पर मौद्दे दो दर का नया दंड हैं जो कार्ड गों कर के दर से कम हों।

जो धारक फार्म-पात्र नहीं है अन्तर्गत दर में कम दर पर अद्वेदन है वह जिसे ये अद्वेदन अधिकारी को अद्वेदन कर उनमें एक प्रेसा प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लेता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि का की बटोति की जिन दो धारक पर दायू होने वालों द्वारा इस पर कर की कटीती कर उम्म द्वाज अदा किया जाए।

7. अब जरी फिरे जाने आले यसी अद्वयों पर और उनके पहले की अन्य भारकारी प्रतिमूलियों पर मिलने वाले द्वाज नथा अत्य अन्मोहित निवेशों में मिलने वाली शाय का वार्षिक 3,000 सद्यों की संभावा नक्शीर आद पर प्राप्तिनियन, 1961 के धारा 80 (3) के अनु उल्लंघनों के अर्थात् अद्वेदन से छुट प्राप्त होगी।

8. अब जरी फिरे जाने वाले अद्वयों में किए जाने वाले निवेशों के मूल्य, इसके पश्चात् भरतारी प्रतिमूलियों में किए गए अन्य निवेशों और संपत्ति या अधिकारी के धारा 5 में निर्दिष्ट अत्य निवेशों के मूल्य की भी 1,50,000 रुपयों की संभावा तक गमान कर स छुट प्राप्त होगी।

9. प्रतिमूलिया निलोक्यन के रूप में जारी की जाएगी—

(1) स्थान प्रभागिक, या

### (2) व्यवस्था।

द्वारा अद्वेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें व्यवस्थाओं के रूप में प्रतिमूलिया जारी की जाएगी।

10. अद्वयों के लिए आदेदन-पत्र-अद्वयों के लिए आदेदन-पत्र रु. 100.00 (प्रति दिल्ली गण्डों के लिए होते चाहिए।

11. आदेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्टैकार किए जाएंगे—

(क) अहमदाबाद, वंगनुर, शहरी (फांड और भायवाद), कलकत्ता, हैदराबाद, जनपुर, मदाम, नागपुर नवी दिल्ली और पटना में स्थित अद्वेदन बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिए गये स्थानों का छोड़कर भाग्य में अन्य स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की जाएगी।

12. आदेदन-पत्र इसके माध्यम सलग कार्ड में या किसी ऐसे दूसरे कार्ड में होने वाले दिल्ली दिमें अंतिम प्रतिमूलियों की राशि और विवरण, अद्वेदक का पूरा नाम और पता नथा उप कार्यालय का स्टैक उल्लेख हो जहां अद्वेदन द्वाज के प्रदातारों की प्रोफेशन करता है।

13. आदेदन-पत्रों के माध्यम अवधारणा नकारी या चेक के रूप में प्राप्ति की जारी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किए जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम आहारन किए जाने चाहिए।

14. स्थान बैंकों और दिल्ली का उल्लेख द्वारा प्रभुत द्वारा उनके मात्रायन्त्र अण-अद्वेदनामा पर विधि गों आवलों पर पति रु. 100.00 (प्रति दिल्ली) 6 वैष्ण की दर पर दिल्ली अदा की जाएगी।

दिल्ली की प्रदातारी के लिए अण जारी की जाने की तरीख में रु. महान के भीतर अद्वयी कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

ग्राहन के आवेदन में,

प्रतिमूलिया चन्द्र निवारी, संयुक्त मणिक

### आदेदन-पत्र का फार्म

मै/हम\* ... ... ... ... इसके माध्यम रु. ... ... ... ... (रुपये) के लिए

(परा/द्वारे नाम)

नकदी<sup>†</sup> प्रत्यन्न कार्यालय/द्वारे है\* यांत्र रु. दायरेय राशि द्वारा है रु. द्वारे/हम\* निचे उल्लिखित नुच वर्ग/मूल्य वर्गी में व्यवस्था (पक्षों)<sup>‡</sup> स्थान प्रमाणपत्र

के रूप में ... ... ... ... अपयों के नाकिनिक मूल्य के 6.50 प्रतिशत अण, 1960 (द्वारा निर्माम)\* 7.50 प्रतिशत अण

2010 (तोकण निर्माम)\* की प्रतिमूलियां न.र्म ने जारी—

प्रति व्यवस्था रु. ... ... ... ... रु. (के) ... ... ... ... व्यवस्था

प्रति व्यवस्था रु. ... ... ... ... का (के) ... ... ... ... व्यवस्था

प्रति व्यवस्था रु. ... ... ... ... का (के) ... ... ... ... व्यवस्था

2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं\* कि उनका व्याज भिन्न टिप्पणी। इस बात से आवेदक कुछ न लिखें।  
गरी श्रद्धिता नोक मृण कार्यालय द्वारा की जाएगी।

छाते हस्ताक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं०	
"दलाली नहीं" मृण	हस्ताक्षर
नकदी आदि देने के लिए	प्राप्त (परे) नाम
चेक वसूल लेने की भर्ती	
विषय चालू खाते में जम; फिर, गय,	पता
जांच की गयी	
नकदी आवेदन पत्रों के रजिस्टर ने दर्ज किया गया	
इकाली रजिस्टर में दर्ज किया गया	
मार्ग पत्र सं०	
प्रतिभूति सं०	
कार्ड सं०	
बाउचर पारित करने की शारीरिक	दिनांक अक्टूबर, 1980

\*जो आवधक न हो उसे काट दिया जाए।

₹० 100, ₹० 200, ₹० 500, ₹० 1,000, ₹० 5,000, ₹० 10,000, ₹० 25,000, ₹० 50,000 और ₹० 1,00,000 के मूल्य अर्थी में अनन्पन्न आरी किये जाएंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उल्लेख यहां किया जाए।

- टिप्पणी : (1) प्राप्त मृण, अभिदान के प्रथम प्रकार और अपेक्षित नये मृण की प्रथम प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या शब्दनाम) के लिए आवग-अलग आवेदन किया जाए।
- (2) यदि आवेदक के हस्ताक्षर प्रयुक्ते के नियान के स्वर हों तो दो अकिञ्चित उम्मेदों मालियां हों। मालियों के इकाईयों के नींवें उनके पुरे नाम व्यवहार और पने दिये जाएं।
- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए, तो निकाय आवेदन पत्र के माध्यमिक इकाईयों, याकि वे लोक अण कार्यालय से पहुँच ही पंजीकृत न किये गये हों तो, मंबलन किये जाएः
- (i) निगमन/पंजीकृत या कार्यालय के मुख्य प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुख्य के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी प्रतिभूति।
  - (ii) कंपनी/निकाय के आवन पत्र और अनन्पन्न या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
  - (iii) कंपनी/निकाय की ओर से मरकारी प्रतिमूलियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत अधिकारी (यो) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् मत्यापिन नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (4) जो आवेदक स्टाक प्रमाणपत्रों के स्वर में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें अमाली व्याज के प्रेरण के लिए (गोक अण कार्यालय में आवध) प्राप्ति फार्म भी भरना चाहिए।

**MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 14th October, 1980

No. F. 4(5)-W & M/80.—Subscriptions for the issues of 6.50 per cent. Loan, 1990 (Second Issue), and 7.50 per cent. Loan, 2010 (Third Issue) will be received from the 29th October 1980 in the form of cash. The issues will be closed without notice as soon as it appears that the total subscriptions amount approximately to Rs. 600 crores and in any case not later than the close of business on the 31st October 1980. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 600 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 660 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 6.50 per cent Loan, 1990 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent, and redeemable at par on the 18th July 1990.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 18th July 1990.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6.50 per cent per annum from 29th October, 1980. Interest for the period 29th October, 1980 to 17th January 1981 (inclusive) will be paid on 18th January 1981 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 18th July and 18th January. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 6 and 7 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 7.50 per cent Loan, 2010 (Third Issue) is issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 12th May, 2010.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 12th May, 2010.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.50 per cent, per annum from 29th October, 1980. Interest for the period 29th October 1980 to 11th November 1980 (inclusive) will be paid on the 12th November 1980 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 12th May and 12th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 6 and 7 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

#### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

5. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna, at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

6. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

7. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject

to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

8. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth tax Act will also be exempt from the Wealth tax upto Rs. 1,50,000.

9. The securities will be issued in the form of

- (i) Stock Certificates, or
- (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

10. Applications for the Loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

11. Applications will be received at—

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna ; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

12. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

13. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheque tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

14. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,  
A.C. TIWARI, Jr. Secy.

#### FORM OF APPLICATION

I/We\*

[Full Name(s) in Block letters]

herewith

\*Cash

tender \_\_\_\_\_ Rs. \_\_\_\_\_ (Rupees \_\_\_\_\_) and request that securities of 6.50 per cent. Loan, 1980 (Third Issue)\*/7.50 per cent. Loan, 2010 (Third Issue)\* of the nominal value of Rs. \_\_\_\_\_ may be issued to me us\* in the form of \_\_\_\_\_ in the denomination(s) stated below :—

Stock Certificate

Promissory Note(s) of Rs. \_\_\_\_\_ each.

Promissory Note(s) of Rs. \_\_\_\_\_ each.

Promissory Notes of Rs. \_\_\_\_\_ each.

2. I/We\* desire that interest be paid at \_\_\_\_\_

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Public Debt Office.		Signature (s) _____
	Initials _____	Date _____
Application No.		
N.B. Stamp		
Cash received on		
Cheque realised on		
Credited to Special Current Account on		
Examined		
Cash Applications Register posted		
Brokerage Register posted		
Ident No.		
Script No.		
Card No.		
Voucher passed on		
Name(s) in full _____ (Block Letters)		
Address _____		
Dated the _____ of October 1980.		

\*Delete what is not required.

+Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000 Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

- Notes.**—(1) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of script (Stock Certificate or Promissory Note) of the new Loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/ Bye-laws of the company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal Government securities on behalf of the company/body together with his /their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants desiring the issue of scripts in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

